बाल भारती पब्लिक स्कूल ,पीतमपुरा,दिल्ली - ११००३४

अधिन्यास पत्र कक्षा- चौथी प्रथम सत्र २०२०-२०२१

विषय – कहानी उपविषय --चतुरआकाश

नाम -_____ कक्षा -_____ दिनांक-०७.०४.२०२०

<u>पाठ उद्देश्य :-</u> यह कहानी हमें आपस में प्रेम भाव रखना, कठिनाइयों का साहस ,बुद्धिमानी से सामना करना , मुश्किलों में भी उत्साह बनाए रखना सिखाती है।

<u>पाठ का संदेश :-</u>साहस और बुद्धिमानी से कठिन से कठिन काम भी करना संभव है।

<u>परिचय :-</u> बच्चो, आपने २६जनवरी यानी गणतंत्र दिवस की परेड तो देखी ही होगी और उस परेड में शामिल बहादुर बच्चों को भी देखा होगा । अपनी बहादुरी से उन्होंने न केवल किसी की जान बचाई बल्कि यह भी साबित किया कि बच्चे किसी से कम नहीं होते | आज ऐसी ही एक कहानी आप पढ़ने जा रहे हैं जिसका नाम है **"चतुरआकाश "**|

<u>पाठ का सार :-</u>

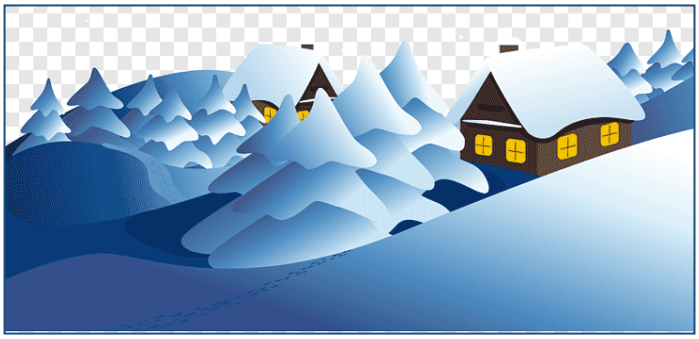

आकाश चतुर और समझदार बालक था। वह आसमान से गिरती हुई बर्फ देखना चाहता था इसलिए वह अपने परिवार के साथ मनाली घूमने गया।

मनाली पहुँच करआकाश की माँ बीमार हो गईं। वैद्य जी ने उन्हें ठीक करने के लिए एक खास तरह के पेड़ की छाल को पका कर पिलाने का उपाय बताया। उस पेड़ तक पहुँचने का रास्ता बहुत दुर्गम था, कठिन था।

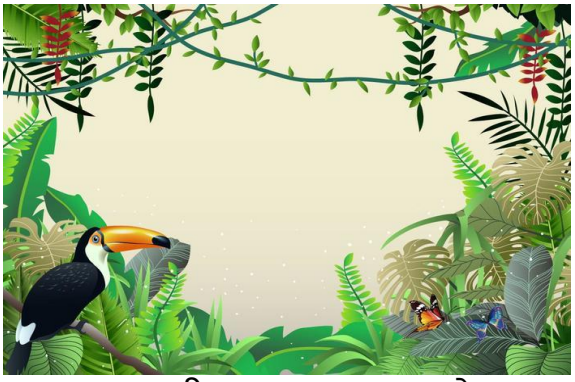

उस रास्ते में जंगली जानवरों का भी डर था। आकाश ने अपनी बुद्धिमानी से पहले रीछ और फिर शेर को भगाया तथा पेड़ की छाल ले कर वापिस आया। छाल पका कर पिलाने पर उस की माँ ठीक हो गईं।

सब खुश हो गए।

<u>अब आपकी बारी :-</u>

कहानी को शुद्ध उच्चारण के साथ ऊँचे स्वर में पढ़ें |

<u>रचनात्मक लेखन:-</u> आपने किसी न किसी पर्वतीय स्थल की यात्रा अवश्य की होगी। ऐसी ही किसी यात्रा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

<u>नोट:-</u> इस कार्य को अपनी उत्तर पुस्तिका में करें।